भारत पर गौरी का आक्रमण

परिचय

1. **1155 ईस्वी (ई.):-** अलाउद्दीन हुसैन ने गजनी पर अधिकार किया
   - "जहाँ-सोज": "विश्व को जलाने वाला"
2. **1163 ईस्वी (ई.):-** अलाऊद्दीन हुसैन का चचेरा भाई गियासुद्दीन गौर का शासक बना.
3. **1173 ईस्वी (ई.):-** शहाबुद्दीन मोहम्मद गौरी (मुइजुद्दीन-मोहम्मद-बिन-साम) गजनी का शासक बना
4. **1175 ईस्वी (ई.):-** गोमल दर्रे से भारत (मुल्तान) पर प्रथम आक्रमण
5. **गौरी के भारत पर आक्रमण के कारण:-**
   - साम्राज्य स्थापना
   - इस्लाम का प्रचार
   - धन प्राप्ति
   - बड़े भाई गियासुद्दीन से हुआ समझौता कि वह पूर्व की ओर साम्राज्य विस्तार करेगा।

गौरी के प्रमुख आक्रमण

1. **1175 ईस्वी (ई.)**
   - मुल्तान पर प्रथम आक्रमण
   - करमातियों को हराकर मुल्तान पर कब्जा
2. **1178 ईस्वी (ई.)**
   - गुजरात (पाटन) आक्रमण
   - चालुक्य राजा मूलराज द्वितीय (संरक्षण मां नायिका देवी)
   - कयादरा, माउंट आबू के पास गौरी की पराजय (भारत में प्रथम पराजय)
   - 1178 में ही, मूलराज द्वितीय के भाई भीम द्वितीय ने मूलराज द्वितीय का स्थान लिया।

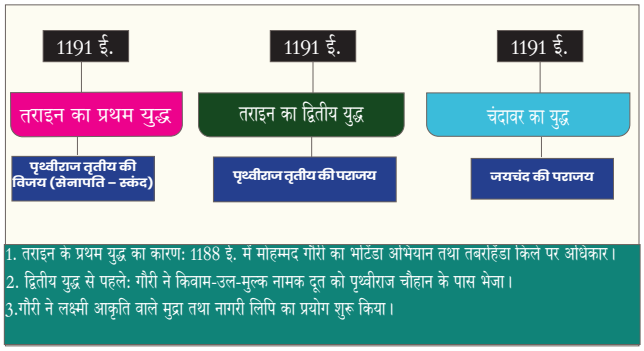

3. **1203 AD**
   - एबक - कालिंजर अभियान
   - चंदेल शासक परमार्दिदेव को हराया
   - 15 मार्च 1206 :- खोखर सरदार द्वारा गौरी की हत्या
   - भारत में दिल्ली सल्तनत

अन्य तथ्य

1. **देहलीवाल सिक्के**
   - एक तरफ कलिमा तथा दूसरी तरफ लक्ष्मी एवं नन्दी की आकृति
   - देवनागरी में मुहम्मद बिन साम
   - ऐबक ने कुव्वत उल इस्लाम मस्जिद बनवाने के लिए देहलीवाल सिक्कों में मजदूरों को भुगतान किया।
2. **पृथ्वीराज व गौरी के नाम के सिक्के**
3. **उत्तर भारत में इक्ता/अक्ता प्रणाली**
   - मुहम्मद गोरी ने कुतुबुद्दीन ऐबक को प्रथम अक्ता प्रदान किया था
4. **4 मुख्य गुलाम**
   - कुतुबुद्दीन ऐबक - लाहौर व दिल्ली
   - यल्दोज – गजनी
   - कुबाचा - कच्छ व सिंध
   - बख्तियार खिलजी - बंगाल व बिहार

इख्तियारउद्दीन मोहम्मद बिन बख्तियार खिलजी

1. **1200 – 1204**
   - बंगाल बिहार आक्रमण
   - **शासक:** लक्ष्मणसेन
   - नालंदा व विक्रम शिला को तहस-नहस
   - लखनौती को राजधानी बनाया
   - गलती - असम के माहा राज्य पर हमला

दिल्ली सल्तनत : परिचय

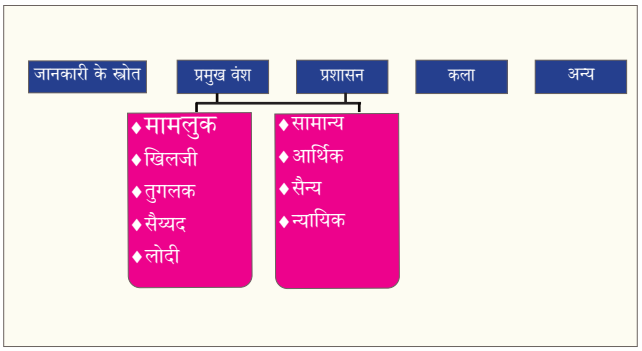

दिल्ली सल्तनत

1. **5 वंश**
   - राजकीय भाषा: फारसी
   - गुलाम वंश 1206 - 1290
     - कुतुबुद्दीन ऐबक
   - खिलजी वंश 1290 – 1320
     - जलालुद्दीन खिलजी (सबसे कम समय)
   - तुगलक वंश 1320 - 1414
     - ज्ञासुद्दीन तुगलक (सबसे अधिक समय)
   - सैयद वंश 1414 - 1451
     - खिज्र खां
   - लोदी वंश 1451 - 1526
     - बहलोल लोदी

जानकारी के स्रोत

- आत्मकथाएं
  - फिरोज तुगलक की फुतूहात ए फिरोजशाही
  - इब्नबतूता की रेहला
- यात्रा वृतांत
  - इब्नबतूता की रेहला
- रचनाएं
  - तारीख ए फिरोजशाही (बरनी)
  - ताज उल मासिर (हसन निजामी)
  - तुगलक नामा (खुसरो)

1. **सियासत नामा**
   - लेखक - निजाम अल मुल्क तूसी
   - जानकारी - इक्ता व्यवस्था की जानकारी
2. **तबकात ए नासिरी**
   - लेखक - मिनहाज़ उस सिराज
   - फारसी भाषा
   - जानकारी - मोहम्मद गौरी का भारत विजय
   - गुलाम वंश के नसरुद्दीन महमूद को समर्पित है
   - दिल्ली सल्तनत का प्रथम क्रमबद्ध इतिहास
   - रजिया के पतन के बारे में मिन्हाज लिखता है कि "उसके सभी गुण किस काम के क्योंकि वह स्त्री थी"

3. ताज उल मासिर

- लेखक - हसन निजामी (प्रथम इतिहासकार)
- दिल्ली सल्तनत का प्रथम राजकीय इतिहास
  - 1191-1217 ई. तक की घटनाओं का वर्णन
- फारसी भाषा

4. तारीख-ए-मुबारकशाही

- लेखक - याहिया बिन अहमद सर हिंदी
- जानकारी - सैयद वंश के शासक मुबारक शाह की जानकारी

5. किताब-उल-रेहला

- लेखक - अफ्रीकी (तंजियर, मोरक्को) यात्री इब्नबतूता
  - 1333 में भारत आया तथा 14 वर्ष तक रहा
  - मुहम्मद बिन तुगलक ने इब्नबतूता को 1334 में दिल्ली का काजी बनाया
  - तुगलक ने दूत बनाकर चीन भेजा
- अरबी भाषा
- अंग्रेजी अनुवाद : ली एवं गिब्स

6. ज़ियाउद्दीन बरनी

- जन्म - 1285 (बुलन्द शहर, भारत)
- सल्तनत काल का सबसे महान् इतिहासकार
- औलिया के शिष्य
- अन्तिम समय में सामाजिक बहिष्कार
- मुहम्मद बिन तुगलक ने बरनी को जिंदादिल साथी या नदीम की उपाधि दी थी

7. प्रमुख रचनाएं

❖ तारीख-ए-फ़िरोजशाही:
- 1266 (बलवन के राज्य अभिषेक) से 1357 ई. तक (फिरोज के शासन के छठे वर्ष) तक
- मिन्हाज ने जहाँ अपने इतिहास को समाप्त किया है बरनी ने वहीं से शुरू किया
- रचना, भटनेर जेल में की थी
- **अंग्रेजी अनुवाद:** इलियट एवं डाउसन
- अलाउद्दीन की बाजार व्यवस्था
- शम्से सिराज अफीफ ने पूरा किया

❖ **फतवा-ए-जहाँदारी:** मुस्लिम शासन व्यवस्था एवं आदर्श मुस्लिम शासको के गुणों का वर्णन

❖ **हसरतनामा:** मुस्लिम कानूनों का उल्लेख
- प्रमुख जानकारी :-
  - इतिहास को विज्ञान की रानी कहा
  - मोहम्मद तुगलक : दयालु और रक्त पिपासु

8. अमीर खुसरो (Amir Khusro) : 'तोता-ए-हिन्द' एवं तुर्कल्लाह :

- अबुल हसन यामीन-उद्दीन खुसरों
- जन्म : 1253 (पटियाली, इटावा, उत्तर प्रदेश)
  - दिल्ली सल्तनत का पहला प्रमुख इतिहासकार था, जिसका जन्म भारत में
  - गुरु : निजामुद्दीन औलिया
  - मृत्यु : 1325 (औलिया की कब्र के बगल में दफना दिया)
- आठ सुल्तानों का काल : बलबन, कैकुबाद, क्यूमर्स, जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी, मुबारक खिलजी, खुसरव शाह और गयासुद्दीन तुगलक

अमीर खुसरो की प्रमुख रचनाएं व उनकी विषय वस्तु

1. किरान-उस-सादेन: कैकूबाद के आदेश पर

2. मिफ्ताह-उल-फुतुह: मलिक छज्जू के विद्रोह का दमन और जलालुद्दीन खिलजी के सैनिक अभियान

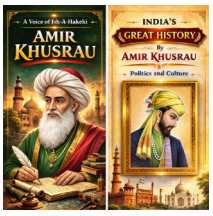

खजाइन -उल- फुतुहः-
- इसमें मलिक काफूर के दक्षिण अभियानों का एवं दक्षिण के बाजारों का वर्णन है।
- अलाउद्दीन को 'विश्व का सुल्तान' 'पृथ्वी के शासकों का सुल्तान', 'युग का विजेता' और 'जनता का चरवाहा'
- मंगोल आक्रमणों व अमीरों के दमन का वर्णन नहीं

5. आशिका (देवलरानी खिज्रखां)

- गुजरात के राजा कर्ण की पुत्री देवलदेवी और अलाउद्दीन खिलजी के पुत्र खिज्र खाँ के प्रेम का वर्णन
- अलाउद्दीन के गुजरात अभियान का वर्णन

6. नूह सिपेहर

- मुबारक शाह खिलज़ी का वर्णन
- भारत की जलवायु, प्रकृति, पशु-पक्षी का वर्णन
- इस ग्रन्थ में हिन्दुस्तान की प्रशंसा के कारण ही अमीर खुसरो को तुतिए हिन्द (हिन्द का तोता) कहा जाता है।
- नूह सिपेहर में भारत को धरती का स्वर्ग कहा है

7. तुगलक नामा

- अमीर खुसरो की अन्तिम
- खुसरो खाँ और गयासुद्दीन तुगलक का वर्णन
- खजाइन-उल-फुतुह गद्य में है, इसके अलावा अन्य पाँचों रचनाएं पद्य में है

❖ **मलफूजात-ए-तिमूरी (Malfuzat-e-Timuri) -** यह तैमूर लंग की आत्म कथा है जो तैमूर ने तुर्की भाषा में लिखवाई

❖ **जफर नामा (Zafar Nama) -** यह भी तैमूर लंग की जीवनी है। इसकी रचना तैमूर की मृत्यु के तीस वर्ष बाद उसके पोते के संरक्षण में सराजुद्दीन अली याजदी ने की।

फारसी लेखक	*रचना*
1. अमीर खुसरो	खजाइन - उल - फुतूह, तुगलकनामा, तारीखे अलाई, मिफ्ताह-उल- फुतूह, किरान-उस-सादेन,देवलरानी आशिका
2. फिरोज तुगलक	फुतूहात-ए-फिरोज शाही (आत्मा कथा)
3. हसन निजामी	ताज-उल-मासिर
4. जियाउद्दीन बरनी	तारीख-ए-फिरोजशाही तथा फतवा-ए-जहाँदारी
5. मिनहाज-उस-सिराज	तबकात-ए-नासिरी
6. मलिक इसामी	फुतूह-उस-सलातीन
7. शम्स-ए-सिराज –अफीफ	तारीख-ए-फिरोजशाही
8. जिया नक्शवी	तूतीनामा
9. फिरोज तुगलक	फुतूहात-ए-फिरोज शाही (आत्मा कथा
10. याहिया बिन अहमद सरहिन्दी	तारीख-ए-मुबारक शाही
11. आइन-उल-मुल्क	इंशा-ए-महरू
12 फख-ए-मुदब्बिर	अदब-उल-हर्ब